मेरे साथ सोहागी रे

मेरे साथ सोहागी रे, पिउसों क्यों न करो पेहेचान।
पेहेले चले पेहेचान बिना, फेर आए सो अपनी जान।।

सोई पिउ सोई बातड़ी, फेर सोई करे पुकार।
कारन अपने पिउ को, आंखों आवे जलधार।।

विलख बिलख कहे वचन, रोए रोए किए बयान।
प्रेम करे अति प्रीतसों, पर साथ को सुध न सान।।

पेहेले नजरों देखते, गयो अवसर टूटी आस।
निकस गए जब हाथ से, तब आपन भए निरास।।

तुम स्याने मेरे साथजी, जिन रहो विखे रस लाग।
पांउ पकड़ कहे इंद्रावती, उठ खड़े रहो जाग।।